

“ԱՐԵՒԵԼԷ”

Տէ՛ր ե՛հ ՏՆՈՐԷՆ

ԳԱՐԵԳԻՆ ՊՕՅԱԺԵԱՆ
Լ. ՊՈԼԻՍ, ՂԱԼԱԹԻԱ

ՊՈԼԻՍ, ՂԱԼԱԹԻՍ

10 PARAS

1016. 1017. 1018. 1019. 1020. 1021. 1022. 1023. 1024. 1025. 1026. 1027. 1028. 1029. 1030. 1031. 1032. 1033. 1034. 1035. 1036. 1037. 1038. 1039. 1040. 1041. 1042. 1043. 1044. 1045. 1046. 1047. 1048. 1049. 1050. 1051. 1052. 1053. 1054. 1055. 1056. 1057. 1058. 1059. 1060. 1061. 1062. 1063. 1064. 1065. 1066. 1067. 1068. 1069. 1070. 1071. 1072. 1073. 1074. 1075. 1076. 1077. 1078. 1079. 1080. 1081. 1082. 1083. 1084. 1085. 1086. 1087. 1088. 1089. 1090. 1091. 1092. 1093. 1094. 1095. 1096. 1097. 1098. 1099. 1100. 1101. 1102. 1103. 1104. 1105. 1106. 1107. 1108. 1109. 1110. 1111. 1112. 1113. 1114. 1115. 1116. 1117. 1118. 1119. 1120. 1121. 1122. 1123. 1124. 1125. 1126. 1127. 1128. 1129. 1130. 1131. 1132. 1133. 1134. 1135. 1136. 1137. 1138. 1139. 1140. 1141. 1142. 1143. 1144. 1145. 1146. 1147. 1148. 1149. 1150. 1151. 1152. 1153. 1154. 1155. 1156. 1157. 1158. 1159. 1160. 1161. 1162. 1163. 1164. 1165. 1166. 1167. 1168. 1169. 1170. 1171. 1172. 1173. 1174. 1175. 1176. 1177. 1178. 1179. 1180. 1181. 1182. 1183. 1184. 1185. 1186. 1187. 1188. 1189. 1190. 1191. 1192. 1193. 1194. 1195. 1196. 1197. 1198. 1199. 1200. 1201. 1202. 1203. 1204. 1205. 1206. 1207. 1208. 1209. 1210. 1211. 1212. 1213. 1214. 1215. 1216. 1217. 1218. 1219. 1220. 1221. 1222. 1223. 1224. 1225. 1226. 1227. 1228. 1229. 1230. 1231. 1232. 1233. 1234. 1235. 1236. 1237. 1238. 1239. 1240. 1241. 1242. 1243. 1244. 1245. 1246. 1247. 1248. 1249. 1250. 1251. 1252. 1253. 1254. 1255. 1256. 1257. 1258. 1259. 1260. 1261. 1262. 1263. 1264. 1265. 1266. 1267. 1268. 1269. 1270. 1271. 1272. 1273. 1274. 1275. 1276. 1277. 1278. 1279. 1280. 1281. 1282. 1283. 1284. 1285. 1286. 1287. 1288. 1289. 1290. 1291. 1292. 1293. 1294. 1295. 1296. 1297. 1298. 1299. 1300. 1301. 1302. 1303. 1304. 1305. 1306. 1307. 1308. 1309. 1310. 1311. 1312. 1313. 1314. 1315. 1316. 1317. 1318. 1319. 1320. 1321. 1322. 1323. 1324. 1325. 1326. 1327. 1328. 1329. 1330. 1331. 1332. 1333. 1334. 1335. 1336. 1337. 1338. 1339. 1340. 1341. 1342. 1343. 1344. 1345. 1346. 1347. 1348. 1349. 1350. 1351. 1352. 1353. 1354. 1355. 1356. 1357. 1358. 1359. 1360. 1361. 1362. 1363. 1364. 1365. 1366. 1367. 1368. 1369. 1370. 1371. 1372. 1373. 1374. 1375. 1376. 1377. 1378. 1379. 1380. 1381. 1382. 1383. 1384. 1385. 1386. 1387. 1388. 1389. 1390. 1391. 1392. 1393. 1394. 1395. 1396. 1397. 1398. 1399. 1400. 1401. 1402. 1403. 1404. 1405. 1406. 1407. 1408. 1409. 1410. 1411. 1412. 1413. 1414. 1415. 1416. 1417. 1418. 1419. 1420. 1421. 1422. 1423. 1424. 1425. 1426. 1427. 1428. 1429. 1430. 1431. 1432. 1433. 1434. 1435. 1436. 1437. 1438. 1439. 1440. 1441. 1442. 1443. 1444. 1445. 1446. 1447. 1448. 1449. 1450. 1451. 1452. 1453. 1454. 1455. 1456. 1457. 1458. 1459. 1460. 1461. 1462. 1463. 1464. 1465. 1466. 1467. 1468. 1469. 1470. 1471. 1472. 1473. 1474. 1475. 1476. 1477. 1478. 1479. 1480. 1481. 1482. 1483. 1484. 1485. 1486. 1487. 1488. 1489. 1490. 1491. 1492. 1493. 1494. 1495. 1496. 1497. 1498. 1499. 1500. 1501. 1502. 1503. 1504. 1505. 1506. 1507. 1508. 1509. 1510. 1511. 1512. 1513. 1514. 1515. 1516. 1517. 1518. 1519. 1520. 1521. 1522. 1523. 1524. 1525. 1526. 1527. 1528. 1529. 1530. 1531. 1532. 1533. 1534. 1535. 1536. 1537. 1538. 1539. 1540. 1541. 1542. 1543. 1544. 1545. 1546. 1547. 1548. 1549. 1550. 1551. 1552. 1553. 1554. 1555. 1556. 1557. 1558. 1559. 1560. 1561. 1562. 1563. 1564. 1565. 1566. 1567. 1568. 1569. 1570. 1571. 1572. 1573. 1574. 1575. 1576. 1577. 1578. 1579. 1580. 1581. 1582. 1583. 1584. 1585. 1586. 1587. 1588. 1589. 1590. 1591. 1592. 1593. 1594. 1595. 1596. 1597. 1598. 1599. 1600. 1601. 1602. 1603. 1604. 1605. 1606. 1607. 1608. 1609. 1610. 1611. 1612. 1613. 1614. 1615. 1616. 1617. 1618. 1619. 1620. 1621. 1622. 1623. 1624. 1625. 1626. 1627. 1628. 1629. 1630. 1631. 1632. 1633. 1634. 1635. 1636. 1637. 1638. 1639. 1640. 1641. 1642. 1643. 1644. 1645. 1646. 1647. 1648. 1649. 1650. 1651. 1652. 1653. 1654. 1655. 1656. 1657. 1658. 1659. 1660. 1661. 1662. 1663. 1664. 1665. 1666. 1667. 1668. 1669. 1670. 1671. 1672. 1673. 1674. 1675. 1676. 1677. 1678. 1679. 1680. 1681. 1682. 1683. 1684. 1685. 1686. 1687. 1688. 1689. 1690. 1691. 1692. 1693. 1694. 1695. 1696. 1697. 16

խոսանքում միջամտությանը՝ կաողմ
խուժանք դրուկում յայդեցեալ, սակայն
չմոռանալ բռնիքն թէ՛ կառավարիչը հրա-
ժարեցաւ, այլ եւս տեղիից գաղթե-
րեւոյ՝ Եղյն գլխերուն ժամ Չին ա-
հազողութեամբ զբօսաններով, կառավար-
չիքը երբ տունը գնաց ապահով կերպով
Հետեւեալ օրը իւր-իւր իւզմաներն են էջ-
բայնքեր, քրիստոնէսոյ հասարակութեանց

հոգեւոր անկախացումը չենք ու հրեւելի
անմիջականորեն թիրախ կառավարչատուն եր-
թալով երկրա խորհրդակցելով մանք կա-
տարեցին ներկա կացութեան մասին եւ
ներքին գործող նախարարութեան կողմէ
եկեղ հեռագրին ստացել պատասխանելու
միջառնակութեամբ զորքն ու ինքն

[illegible]

գլխերին ժաման իրանը, զև առախիկ
թխեփին ինչևեռ առ զուզվի ինքիպա-
սանի մալիկներն թեյեղի ստեփանն
թխելիոր իւլեամ զև էնցոմ զև փութ-
ախրան իթառեփ ին մասորող արար»
23 յուռ. ինչպ իմարիք զև նայիկ

Ասկից զատ կետարիոյ կացութիւնը
պարզով հեռագրեր, ճարտարանա ազգ.
առաջնորդներն, զայ զիւլիսեղու զա-
մէն Ամեն. Ս. Պատարարը Հօր, Հայ
Սահմանադրական Միութեան ղեկավար

ժողովին հողման ալ Սրբաբան Գառնարբան և Արեւելի, ձերթին Շաղարիկ, Մամուլակի հինգու թիթթերուն հնգադրդ տեղեկութիւններ հաղորդեցեցան, Արիւնդ Հիթթիթ թիթթակցն ալ օրը օրին հնուադրդեց:

Չօրեդրթիթ գիշերը հնաժաման գիշերն օր եղաւ Հայաստան գաւառ. գիշերուան ժամը 4ին յակարծ լուրդ տարաբանեցաւ, թէ 1896ին մեծ հողաճրդ ծաւանակ յայտը շարժողորներուն մէջ համար ինանմ Հանրադր գիշերին արիւնդակց զոճաճանիկ հողաճրդի համար թաղաճրդ կոխեցաւ կուռան կուր. աննկարագրելի հաղորդեց իր տեղեկութիւնները:

Ներկայ ձմրան սաստիկառույց հալիկն կտրե՞ր տալով՝ քաղաքին մայր քնադղ՝ մայրը՝ երկսեռ ռադիոսթիլուն, մեծ ու սլափկ տղաքներ, շատեր կհասնեն, երկու-երեք ամսուան տղեկները իրենց մոր ստիկներին կխառաւ, յոյն եւ երկունքի ճգնաժամարտուն մէջ գտնուող այս կիներ իրենց դայիակներով։ Դրասապան

րազմակց վերադիմելու մեջ փախչումա՞ծ դուրս թափու՞նք, ներքոր ընկող իրենց աղջականներուն և բարեկամնե՞րն անոնք առնելու ապաստանելու, հսկողը թեմա՞ք դիմու՞մք զայն հայտրիներու, Ե՛րևո՞ւք արիարար գլխերուն ժամը նին յոլորդ այն ապակով առնելու մէջ տեղաւորելէ ետքը մինչեւ տառու իբր պահակ վտղոյէ վտղոյ մաներին ալք առած, պարտաւոր և օդոյ գլխմակներուն գաւառաւանքն ապաստենք ղա՞մ տալու ղա՞մ

Լորպէս Շապուհի կանանց հագուստն

[illegible]

(132)

կան հազարավորներով, ամենքը զբաղանա-
րանք են սովորելով զենքերով։

Ներս մասն աստիճանաբարները և ամ-
բողջ առաջադիմի Նրանք խորքի կերպով
զլուտ առնին, և լուռ կանգնած մնացին
զայնձի պտտերի մօտ։ Տկկվող մի առան-
ձին հանձնվեանքը զարմա ղէպով այցե-
լուծերին, այդ խօսքերով։

— Գնա՛նք և զո՞ւտվու՛նք այգու՛մու
Արաւազին, որ ինձ պարգեւէիք եր-
ջայինքիցիդ ամենախաղաղ լինելու
միակերպ, եւ ըստ լուսնի ուռնին, ո՛վ փրկե-
րի առաջներ, ձեռ չախ միասին տանելու այն
նշանադէտ օրը, որ տօնակն է ամբողջ
տեղիքերը։ Թշուռն ու անաստեղծ, վազի
խոտն ու ծաղկը, և անասուր ճակը և
զենիքի, պայտը ուրախ են, որովհետեւ
ներքին պարտքը բերել է նրանց համար
նոր ապրել և նոր կեանք։ Սարքը նորո-
գե՛տ՝ պարէ և իւր խրոխալուրով խառն
ընթերցան ընդհանուր հրօտակը՝ հեռ
ուրախ ձմեռը իւր մամարեր աստուածա-
նիքներով, անուշ մառայլ ու մառախուղ
էթապարտութիւնը։ Մաղեց մեզ նոր օ
րի լուսավարման շերտվեանով։

(ԵԱՐՈՒՆԱԿԵԼԻ)

